वर्ग–7 **हिन्दी लिटरेचर** दिनांक–20/05/2020

पाठ– पेड़–पौधों की कहानी

सारांश– पेड़–पौधों की कहानी शीर्षक पाठ में पेड़–पौधे अपने जीवन के बारे में बताते हैं कि अकुंरित होने से लेकर जीवन की समाप्ति तक मनुष्यों के लिए कितने उपयोगी हैं।लेकिन फिर भी मनुष्य जाति अपने सुख के लिए उनका सर्वनाश कर रहे हैं। मनुष्य ये जानते हैं कि पेड़–पौधे अपने जीवन काल के दौरान हमें बहुत सारी चीजें सिर्फ और सिर्फ देते हैं वे हम से लेते कुछ नहीं है फिर भी मनुष्य उनका सर्वनाश कर रहे हैं। मनुष्य को ये भी पता है कि पेड़–पौधे के सर्वनाश से उनका ही सर्वनाश हो रहा है फिर भी वे पेड़–पौधों को नष्ट कर रहे है। इसलिए अगर हम मनुष्य अपना कल्याण चहाते हैं तो पेड़–पौधों को नष्ट करने से बचे। और प्रण करे कि पेड़–पौधों को नहीं काटेंगे और अधिक से अधिक मात्रा में पेंड़ लगाएंगे।

गृह कार्य

पाठ को ध्यान से पढ़ो।

हिन्दी व्याकरण

पाठ–शब्द भंडार

पर्यायवाची शब्द– ऐसे शब्द जो एक जैसे अर्थ प्रकट करते है उन्हें पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं। जैसे –**फूल– पुष्प, सुमन, कुसम, प्रसून।**
धन– संपत्ति, लक्ष्मी, श्री, वित्त।

विलोम शब्द– किसी शब्द का विपरीत (उलटा) अर्थ देने वाले शब्द विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।
जैसे– आस्तिक (ईश्वर में विश्वास करने वाला)
नास्तिक (जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता है)
अनुज (इसका अर्थ है छोटा भाई।)
अग्रज (इसका अर्थ है बड़ा भाई।)

गृह कार्य

पाठ में दिए गए पर्यायवाची शब्द तथा विलोम शब्दों को याद कीजिए।

Scanned with CamScanner